MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY: UDAIPUR

MASTER OF ARTS IN HINDI LITERATURE (semester)

सेमेस्टर द्वितीय

तृतीय प्रश्न पत्र– MAH203

साहित्य शास्त्र (भाग – 2, पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

इकाई – I

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त

प्लेटो – अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तु – अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस–उदात्त तत्त्व, क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

इकाई – II

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त

आई.ए.रिचर्डस – काव्यभाषा सिद्धान्त, मूल्य सिद्धान्त,

वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा सिद्धान्त,

टी.एस. इजियट – निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ सहसम्बंध, परम्परा की अवधारणा

इकाई – III

आधुनिक समीक्षा के प्रमुख रूप –

शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी, नयी समीक्षा, मनोवैज्ञानिक, शैली विज्ञान।

इकाई – IV

स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

इकाई – V

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ –

विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन)

विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन)

सहायक ग्रंथ

1. काव्य शास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 221001
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्शास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, 1563, सेक्टर 18 डी, चण्डीगढ़–160018
3. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
5. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. साहित्यिक निबन्ध – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद